



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 185]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 11, 2019/फाल्गुन 20, 1940

No. 185]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 11, 2019/PHALGUNA 20, 1940

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 मार्च, 2019

सा.का.नि. 210(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992(1992 का 15) की धारा 29 की उपधारा (2) के खंड (घक) और खंड (च) द्वारा प्रदत् शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (न्याय निर्णायिक अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने की प्रक्रिया) नियम, 1995 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.**—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (न्याय निर्णायिक अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने की प्रक्रिया) संशोधन नियम, 2019 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (न्याय निर्णायिक अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने की प्रक्रिया) नियम, 1995 (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त नियम” कहा गया है) के आरंभिक पैरा में “धारा 29 की उपधारा (2) के खंड (घक)” शब्दों, कोष्ठकों, अंकों और अक्षरों के स्थान पर “धारा 29 की उपधारा (2) के खंड (घक) और खंड (च)” शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे।
3. उक्त नियमों के नियम 1 के उपनियम (1) में “न्यायनिर्णायिक अधिकारी द्वारा” शब्दों का लोप किया जाएगा।
4. उक्त नियमों के नियम 2 के खंड (ग) में, “धारा 15-ज्ञ” शब्द, अंकों और अक्षर के स्थान पर “अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (4क) या धारा 11ख की उपधारा (2) या धारा 15-ज्ञ” शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे।
5. उक्त नियमों के नियम 4 में,-
(i) उपनियम (1) में “15ङ” अंकों और अक्षर के पश्चात्, दोनों स्थानों पर जहां-जहां वे आते हैं, “15ङ्क, 15ङ्ख” अंक और अक्षर अंतःस्थापित किए जाएंगे;

(ii) “न्यायनिर्णायिक अधिकारी” शब्दों के स्थान पर, जहां कहीं वे आते हैं “बोर्ड या न्यायनिर्णायिक अधिकारी” शब्द रखे जाएंगे।

6. उक्त नियमों के नियम 5 में,-

- “न्यायनिर्णायिक अधिकारी” शब्दों के स्थान पर जहां कहीं वे आते हैं “बोर्ड या न्यायनिर्णायिक अधिकारी” शब्द रखे जाएंगे;
- “धारा 15-ज्ञ” शब्द और अंकों के स्थान पर, जहां कहीं वे आते हैं, “अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (4क) या धारा 11ब की उपधारा (2) या धारा 15-ज्ञ” शब्द, कोष्ठकों, अंक और अक्षर रखे जाएंगे।
- उपनियम (4) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-
 “(5) ऐसा बोर्ड या न्यायनिर्णायिक अधिकारी, जिसने आदेश पारित किया है या तो स्वप्रेरणा से या जहां प्रभावित व्यक्ति द्वारा उसकी जानकारी में ऐसी गलती लाई जाती है, ऐसे आदेश की तारीख से पंद्रह दिन की अवधि के भीतर, ऐसे आदेश के अभिलेख को देखने से ही प्रकट किसी गलती का सुधार कर सकेगा।

स्पष्टीकरण – इस नियम के प्रयोजन के लिए “अभिलेख को देखने से ही प्रकट गलती” से कोई ऐसी टंकण संबंधी गलती अभिप्रेत होगी जो आदेश में अनवधानता से हो गई है और इसके अंतर्गत ऐसी गलतियां भी हैं जिसमें किसी ऐसी भूल को सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक तर्कणा प्रक्रिया को आकृष्ट करने की अपेक्षा नहीं है।”

7. उक्त नियमों के नियम 6 में “न्यायनिर्णायिक अधिकारी” शब्दों के स्थान पर “बोर्ड या न्यायनिर्णायिक अधिकारी” शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. 5/05/एफएम/2017]

ए. एम. बजाज, संयुक्त सचिव (वित्तीय बाजार)

टिप्पणी : मूल नियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3 में अधिसूचना संख्यांक सा.का.नि. 541(अ), तारीख 10 जुलाई, 1995 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित अधिसूचना संख्याओं द्वारा किए गए :

- का.आ.1961(अ), तारीख 14 नवंबर, 2006 ;
- सा.का.नि. 430(अ), तारीख 28 मई, 2015 ;

**MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)**

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th March, 2019

G.S.R. 210(E).—In exercise of the powers conferred by clause (da) and clause (f) of sub-section (2) of section 29 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, (15 of 1992), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Inquiry and Imposing Penalties by Adjudicating Officer) Rules, 1995, namely:-

- Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Inquiry and Imposing Penalties by Adjudicating Officer) Amendment Rules, 2019.
 (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- In the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Inquiry and Imposing Penalties by Adjudicating Officer) Rules, 1995 (hereinafter referred to as “the said rules”), in the opening para, for the words, brackets, figures and letter “clause (da) of sub-section (2) of section 29”, the words, brackets, figures and letter “clause (da) and clause (f) of sub-section (2) of section 29” shall be substituted.
- In the said rules, in rule 1, in sub-rule (1), the words “by Adjudicating Officer” shall be omitted.

4. In the said rules, in rule 2, in clause (c), for the word, figures and letter “section 15-I”, the words, brackets, figures and letters “sub-section (4A) of section 11 or sub-section (2) of section 11B or section 15-I of the Act” shall be substituted.
5. In the said rules, in rule 4, -
 - (i) in sub-rule (1), after figures and letter “15E,” at both the places where it occurs, the figures and letters “15EA, 15EB,” shall be inserted;
 - (ii) for the words “adjudicating officer”, wherever they occur, the words “the Board or the adjudicating officer” shall be substituted.
6. In the said rules, in rule 5, -
 - (i) for the words “adjudicating officer”, wherever they occur, the words “the Board or the adjudicating officer” shall be substituted;
 - (ii) for the word and figures “section 15-I”, wherever they occur, the words, brackets, figures and letters, “sub-section (4A) of section 11 or sub-section (2) of section 11B or section 15-I of the Act” shall be substituted.
 - (iii) after sub-rule (4), the following sub-rule shall be inserted, namely:-

“(5) The Board or the adjudicating officer who has passed an order, may rectify any error apparent on the face of record on such order, either on its own motion or where such error is brought to his notice by the affected person within a period of fifteen days from the date of such order.”

“Explanation: For the purpose of this rule, "error apparent on the face of record" shall mean any typographical errors that creep in inadvertently into the order and includes such other errors that do not require a long drawn out reasoning process to ascertain such a mistake.”
7. In the said rules, in rule 6, for the words “adjudicating officer”, the words “the Board or the adjudicating officer” shall be substituted.

[F. No. 5/05/FM/2017]

A. M. BAJAJ, Jt. Secy. (Financial Markets)

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3 *vide* notification number G.S.R. 541(E), dated the 10th July, 1995 and subsequently amended *vide* notification numbers as under:

- (1) S.O. 1961(E), dated the 14th November, 2006;
- (2) G.S.R. 430(E), dated the 28th May, 2015.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 मार्च, 2019

सा.का.नि. 211(ब्र).—केन्द्रीय सरकार, निक्षेपागार अधिनियम, 1996(1996 का 22) की धारा 24 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खंड (क) द्वारा प्रदृढ़ शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निक्षेपागार (न्याय निर्णायक अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने की प्रक्रिया) नियम, 2005 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारंभ।—**(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम निक्षेपागार (न्याय निर्णायक अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने की प्रक्रिया) (संशोधन) नियम, 2019 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. निक्षेपागार (न्याय निर्णायक अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने की प्रक्रिया) नियम, 2005 (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त नियम” कहा गया है) के आरंभिक पैरा में,-

(i) “धारा 24 की” शब्दों के पश्चात् “उपधारा (1) और” शब्द, कोष्ठक और अंक अंतःस्थापित किए जाएंगे;

(ii) “19च” अंकों और अक्षर के पश्चात् “19चक” अंक और अक्षर अंतःस्थापित किए जाएंगे ;

3. उक्त नियमों के नियम 1 के उपनियम (1) में “न्यायनिर्णायिक अधिकारी द्वारा” शब्दों का लोप किया जाएगा ।

4. उक्त नियमों के नियम 2 के खंड (ग) में, “धारा 19-ज” शब्दों, अंकों और अक्षर के स्थान पर “अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) या धारा 19-ज” शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे ।

5. उक्त नियमों के नियम 4 में,-

(i) “19च” अंकों और अक्षर के पश्चात्, दोनों स्थानों पर जहां-जहां वे आते हैं, “19चक” अंक और अक्षर अंतःस्थापित किए जाएंगे;

(ii) “न्यायनिर्णायिक अधिकारी” शब्दों के स्थान पर, जहां कहीं वे आते हैं “बोर्ड या न्यायनिर्णायिक अधिकारी” शब्द रखे जाएंगे ।

6. उक्त नियमों के नियम 5 में,-

(i) “न्यायनिर्णायिक अधिकारी” शब्दों के स्थान पर, जहां कहीं वे आते हैं “बोर्ड या न्यायनिर्णायिक अधिकारी” शब्द रखे जाएंगे ;

(ii) “धारा 19-ज” शब्दों, अंकों, और अक्षरों के स्थान पर, जहां कहीं वे आते हैं, “धारा 19 की उपधारा (2) या धारा 19-ज” शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे;

(iii) उपनियम (4) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-
 “(5) ऐसा बोर्ड या न्यायनिर्णायिक अधिकारी, जिसने आदेश पारित किया है, या तो स्वप्रेरणा से या जहां प्रभावित व्यक्ति द्वारा उसकी जानकारी में ऐसी गलती लाई जाती है, ऐसे आदेश की तारीख से पंद्रह दिन की अवधि के भीतर ऐसे आदेश के अभिलेख को देखने से ही प्रकट किसी गलती का सुधार कर सकेगा ।
 स्पष्टीकरण – इस नियम के प्रयोजन के लिए “अभिलेख को देखने से ही प्रकट गलती” से कोई ऐसी टंकण संबंधी गलती अभिग्रेत होगी जो आदेश में अनवधानता से हो गई है और इसके अंतर्गत ऐसी गलतियां भी हैं जिसमें किसी ऐसी भूल को सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक तर्कणा प्रक्रिया को आकृष्ट करने की अपेक्षा नहीं है ।”

7. उक्त नियमों के नियम 6 में “न्यायनिर्णायिक अधिकारी” शब्दों के स्थान पर “बोर्ड या न्यायनिर्णायिक अधिकारी” शब्द रखे जाएंगे ।

[फा. सं. 5/05/एफएम/2017]

ए. एम. बजाज, संयुक्त सचिव (वित्तीय बाजार)

टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3 में अधिसूचना संख्यांक सा.का.नि.228(अ), तारीख 11 अप्रैल, 2005 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित अधिसूचना संख्याओं द्वारा किए गए:

(1) सा.का.नि.644(अ), तारीख 19 अगस्त, 2015;

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th March, 2019

G.S.R. 211(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clause (a) of sub-section (2) of section 24 of the Depositories Act, 1996 (22 of 1996), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Depositories(Procedure for Holding Inquiry and Imposing Penalties by Adjudicating Officer) Rules, 2005, namely:-

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Depositories (Procedure for Holding Inquiry and Imposing Penalties by Adjudicating Officer) (Amendment) Rules, 2019.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Depositories (Procedure for Holding Inquiry and Imposing Penalties by Adjudicating Officer) Rules, 2005 (hereinafter referred to as “the said rules”), in the opening para,
 - (i) after the words “power conferred by”, the words, brackets and figure “sub-section (1) and” shall be inserted;`
 - (ii) after the figures and letter “19F”, the figures and letters “, 19FA” shall be inserted;
3. In the said rules, in rule 1, in sub-rule (1), the words “by Adjudicating Officer” shall be omitted.
4. In the said rules, in rule 2, in clause (c), for the word, figures and letter “section 19H”, the words, brackets, figures and letter “sub-section (2) of section 19 or section 19H of the Act” shall be substituted.
5. In the said rules, in rule 4, -
 - (i) after figures and letter “19F”, at both the places where it occurs, the figures and letters “,19FA”, shall be inserted;
 - (ii) for the words “adjudicating officer”, wherever they occur, the words “the Board or the adjudicating officer” shall be substituted.
6. In the said rules, in rule 5, -
 - (i) for the words “adjudicating officer”, wherever they occur, the words “the Board or the adjudicating officer” shall be substituted;
 - (ii) for the words, figures and letter “section 19H”, wherever they occur, the words, brackets and figures “sub-section (2) of section 19 or section 19H” shall be substituted;
 - (iii) after sub-rule (4), the following sub-rule shall be inserted, namely:-
 “(5) The Board or the adjudicating officer who has passed an order, may rectify any error apparent on the face of record on such order, either on its own motion or where such error is brought to his notice by the affected person within a period of fifteen days from the date of such order.”
“Explanation: For the purpose of this rule, “error apparent on the face of record” shall mean any typographical errors that creep in inadvertently into the order and includes such other errors that do not require a long drawn out reasoning process to ascertain such a mistake.”
7. In the said rules, in rule 6, for the words “adjudicating officer”, the words “the Board or the adjudicating officer” shall be substituted.

[F. No. 5/05/FM/2017]

A. M. BAJAJ, Jt. Secy. (Financial Markets)

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3 *vide* notification number G.S.R. 228(E), dated the 11th April, 2005 and subsequently amended *vide* notification numbers as under:

(3) G.S.R. 644 (E), dated the 19th August, 2015;

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 मार्च, 2019

सा.का.नि. 212(अ).—केन्द्रीय सरकार, प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956(1956 का 42) की धारा 30 की उपधारा (2) के खंड (जघ) और खंड (झ) द्वारा प्रदत् शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रतिभूति संविदा (विनियम) (न्याय निर्णायक अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने की प्रक्रिया) नियम, 2005 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारंभ।**—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (न्याय निर्णायक अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने की प्रक्रिया) (संशोधन) नियम, 2019 है।
 (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. **प्रतिभूति संविदा (विनियमन)** (न्याय निर्णायक अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने की प्रक्रिया) नियम, 2005 (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त नियम” कहा गया है) के आरंभिक पैरा में,-
 - (i) “धारा 30 की उपधारा (2) के खंड (जघ)” शब्दों, कोष्ठकों, अंकों और अक्षरों के स्थान पर “धारा 30 की उपधारा (2) के खंड (जघ) और खंड (झ)” शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे;
 - (ii) “23छ” अंकों और अक्षर के पश्चात् “23जक” अंक और अक्षर रखे जाएंगे;
3. उक्त नियमों के नियम 1 के उपनियम (1) में “न्यायनिर्णायक अधिकारी द्वारा” शब्दों का लोप किया जाएगा।
4. उक्त नियमों के नियम 2 के खंड (ग) में, “धारा 23-झ” शब्द, अंक और अक्षर के स्थान पर “अधिनियम की धारा 12क की उपधारा (2) या धारा 23-झ” शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे।
5. उक्त नियमों के नियम 4 में,-
 - (i) “23छ” अंकों और अक्षर के पश्चात्, दोनों स्थानों पर जहां-जहां वे आते हैं, “23छक” अंक और अक्षर अंतःस्थापित किए जाएंगे;
 - (ii) “न्यायनिर्णायक अधिकारी” शब्दों के स्थान पर, जहां कहीं वे आते हैं “बोर्ड या न्यायनिर्णायक अधिकारी” शब्द रखे जाएंगे।
6. उक्त नियमों के नियम 5 में,-
 - (i) “न्यायनिर्णायक अधिकारी” शब्दों के स्थान पर, जहां कहीं वे आते हैं “बोर्ड या न्यायनिर्णायक अधिकारी” शब्द रखे जाएंगे;
 - (ii) “धारा 23-झ” शब्द, अंकों और अक्षर के स्थान पर, जहां कहीं वे आते हैं, “धारा 12क की उपधारा (2) या धारा 23-झ” शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे;
 - (iii) उपनियम (4) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-
 “(5) ऐसा बोर्ड या न्यायनिर्णायक अधिकारी, जिसने आदेश पारित किया है, या तो स्वप्रेरणा से या जहां प्रभावित व्यक्ति द्वारा उसकी जानकारी में ऐसी गलती लाई जाती है, ऐसे आदेश की तारीख से पंद्रह दिन की अवधि के भीतर, ऐसे आदेश के अभिलेख को देखने से ही प्रकट किसी गलती का सुधार कर सकेगा।

स्पष्टीकरण – इस नियम के प्रयोजन के लिए “अभिलेख को देखने से ही प्रकट गलती” से कोई ऐसी टंकण संबंधी गलती अभिप्रेत होगी जो आदेश में अनवधानता से हो गई है और इसके अंतर्गत ऐसी गलतियां भी हैं जिसमें किसी ऐसी भूल को सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक तर्कणा प्रक्रिया को आकृष्ट करने की अपेक्षा नहीं है।”
7. उक्त नियमों के नियम 6 में “न्यायनिर्णायक अधिकारी” शब्दों के स्थान पर “बोर्ड या न्यायनिर्णायक अधिकारी” शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. 5/05/एफएम/2017]

ए. एम. बजाज, संयुक्त सचिव (वित्तीय बाजार)

टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3 में अधिसूचना संख्यांक सा.का.नि. 227(अ), तारीख 11 अप्रैल, 2005 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित अधिसूचना संख्याओं द्वारा किए गए:

सा.का.नि.645(अ), तारीख 19 अगस्त, 2015 ;

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th March, 2019

G.S.R. 212(E).—In exercise of the powers conferred by clause (hd) and clause (i) of sub-section (2) of section 30 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Securities Contracts (Regulation) (Procedure for Holding Inquiry and Imposing Penalties by Adjudicating Officer) Rules, 2005, namely :—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Securities Contracts (Regulation) (Procedure for Holding Inquiry and Imposing Penalties by Adjudicating Officer) (Amendment) Rules, 2019.
 (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Securities Contracts (Regulation) (Procedure for Holding Inquiry and Imposing Penalties by Adjudicating Officer) Rules, 2005 (hereinafter referred to as “the said rules”), in the opening para,-
 - (i) for the words, brackets, figures and letter “clause (hd) of sub-section (2) of section 30”, the words, brackets, figures and letter “ clause (hd) and clause (i) of sub-section (2) of section 30” shall be substituted;
 - (ii) after figures and letters “23G”, the figures and letters “, 23GA” shall be inserted.
3. In the said rules, in rule 1, in sub-rule (1), the words “by Adjudicating Officer” shall be omitted.
4. In the said rules, in rule 2, in clause (c), for the word, figures and letter “section 23-I”, the words, brackets, figures and letters “sub-section (2) of section 12A or section 23-I of the Act” shall be substituted.
5. In the said rules, in rule 4,-
 - i. after the figures and letter “23G”, at both the places where it occurs, the figures and letters, “23GA” shall be inserted;
 - ii. for the words “adjudicating officer”, wherever they occur, the words “the Board or the adjudicating officer” shall be substituted.
6. In the said rules, in rule 5,-
 - i. for the words “adjudicating officer”, wherever they occur, the words “the Board or the adjudicating officer” shall be substituted;
 - ii. for the word, figures and letter, “section 23-I”, wherever they occur, the words, brackets, figures and letter “sub-section (2) of section 12A or section 23-I” shall be substituted;
 - iii. after sub-rule (4), the following sub-rule shall be inserted, namely :-

“(5) The Board or the adjudicating officer who has passed an order, may rectify any error apparent on the face of record on such order, either on its own motion or where such error is brought to his notice by the affected person within a period of fifteen days from the date of such order.”

“Explanation: For the purpose of this rule, “error apparent on the face of record” shall mean any typographical errors that creep in inadvertently into the order and includes such other errors that do not require a long drawn out reasoning process to ascertain such a mistake.”
7. In the said rules, in rule 6, for the words “adjudicating officer”, the words “the Board or the adjudicating officer” shall be substituted.

[F. No. 5/05/FM/2017]

A. M. BAJAJ, Jt. Secy. (Financial Markets)

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3 *vide* notification number G.S.R. 227(E), dated the 11th April, 2005 and subsequently amended *vide* notification numbers as under:

G.S.R. 645(E), dated the 19th August, 2015;